All Rights Reserved With Rajasthan Patrika

Sun, 07 Jan-18; Rajasthan Patrika - Delhi; Size : 168 sq.cm.;
Circulation:7641; Page : 11

वित्तीय प्लानिंग...

सुखद भविष्य के लिए एसआईपी है जरूरी

बी. गोपकुमार,
सीईओ, रिलायंस सिक्युरिटीज

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

दीर्घकाल में सम्पत्ति निर्माण करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका है इक्विटी म्युचुअल फंड स्कीम्स में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करना। एसआईपी ऐसी योजना है जिसमें निवेशक म्युचुअल फंड, ट्रेडिंग अकाउंट या फिर रिटायरमेंट अकाउंट में नियमित रूप से समान राशि का निवेश करता है और दीर्घकालीन फायदे हासिल करता है। यह नियमित रूप से बचत करने का सबसे सुविधाजनक तरीका है और इसके लिए कोई कार्यवाही भी नहीं करनी पड़ती, केवल शुरुआत में एसआईपी आरंभ करने की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। जो लोग बैंकों में रिकरिंग डिपॉजिट जमा से परिचित हैं वे समझ लें कि एसआईपी भी वैसी ही प्रक्रिया है किंतु यह प्रक्रिया वित्तीय परिसम्पत्तियों के लिए होती है।

कंपाउंडिंग का फायदा

अगर महंगाई की औसत दर 6 प्रतिशत सालाना है तो दीर्घकाल में इक्वि टी 6 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दे सकती है। एसआईपी में चक्रवृद्धि प्रभाव एक और लाभ है जिसका ऐहसास निवेशकों को निवेश करने पर होता है।

दीर्घकालीन सोच मुनाफा देगी

बाजार के बारे में चिंता करना बंद करें। इसके बजाय निवेश को लेकर एक दीर्घकालिक नजरिया अपनाएं। व्यावहारिक नियम यह है कि जितने लंबे वक्त तक निवेश बनाए रखेंगे उतना ही ऊंचा रिटर्न पाएंगे। जितना जल्दी शुरु करेंगे उतना फायदा होगा।

उदाहरण से समझें कैसे है फायदेमंद

अगर किसी व्यक्ति ने 31 दिसंबर 1993 को एस एंड पी बीएसई सेंसेक्स में 10,000 रुपए निवेश किए होते तो 20 वर्षों में 9.50 प्रतिशत के यौगिकवार्षिक रिटर्न की दर से वह निवेश 61,100 रुपए का हो गया होता।

भावना में बहकर न करें निवेश

अधिकांश निवेशकों की ही तरह आप भी अपने रिटर्न को लेकर बहुत चिंतित हैं। निवेश से पहले विश्लेषण के अलावा आपको भावनात्मक पहलू पर भी काम करने की जरूरत है। निवेश का मतलब है कि आप अपनी बचत को अनुकूल रास्ते पर आगे बढ़ा रहे हैं।